# विकलांग मंच

विकलांग समुदाय का मार्गदर्शक पाक्षिक

| वर्ष : 30 | जयपुर | RNI No.: 46429/86 | वार्षिक शुल्क: 50/- |
|---|---|---|---|
| अंक: 8 | 16 अक्टूबर, 2015 | Po.Regn.No.:Jaipur City/207/2015-17 | प्रति मूल्य: 2.50 |



विकलांग मंच के आजीवन/वार्षिक सदस्य बनें एवं दूसरों को भी इसके सदस्य बनने की प्रेरणा दें



**विकलांग मंच**

8/141, मालवीय नगर, जयपुर-302017

फोन:0141-2547156, 9351960369,9352320013, फैक्स:0141-4036350

E-Mail:vicklangmanch@ymail.com E-Mail:vicklangmanch@gmail.com


# प्रतियोगिता के युग में मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना बहुत जरुरी : भदेल

जयपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिता भदेल ने स्वस्थ शरीर व स्वस्थ मन को एक-दूसरे के पूरक बताते हुए कहा कि आज के प्रतियोगिता एवं तनावपूर्ण युग में मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना बहुत जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य का अर्थ केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, अपितु मानसिक स्वास्थ्य भी है।

मंत्री श्रीमती भदेल विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के दौरान सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के मनो चिकित्सा विभाग एवं मनोचिकित्सा केन्द्र जयपुर की ओर से जन शिक्षा के लिए जयपुर में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि आज-कल नींद न आना, सिर दर्द व मानसिक तनाव रहना बहुत स्वाभाविक है। हम व्यस्कों के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूक हो रहे हैं। उसी प्रकार बच्चों व किशोरों में होने वाली मानसिक व भावनात्मक परेशानियों के प्रति भी जागरूकता जरूरी है। बच्चों एवं किशोरों की मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं किसी भी समाज के विकास के स्तर की पूर्णता की घोतक है।

श्रीमती भदेल ने बच्चों व युवाओं के मस्तिष्क को देश का मस्तिष्क करार देते हुए बच्चों व युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर प्राथमिकता से ध्यान देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों में चिड़चिड़ापन, एकाग्रता, धैर्य की कमी, उदंडता, गुस्सा एवं नशे की आदतें धीरे-धीरे बढ़ रही है। यही बच्चे आगे चलकर देश का भविष्य बनेंगे। इसलिए इन विकारों से बचाव हम सब का परम कर्तव्य है। मंत्री ने मनो चिकित्सा केन्द्र जयपुर की ओर से अध्यापकों में जागरूकता बढ़ाने एवं उनके विकारों को पहचानने में मदद करने वाली कार्यशाला के आयोजन को सराहनीय कदम बताया। उन्होंने उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएं जिससे अध्यापक, अभिभावक एवं बच्चों-किशोरों में जागरूकता बढ़ती रहे।

मनोचिकित्सा केन्द्र के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप शर्मा ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य में जनजागरण के लिए दुनिया में हर साल 4 से 10 अक्टूबर तक विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह मनाया जाता है। इस दौरान मानसिक स्वास्थ्य के बारे में प्रचलित अनेक भ्रांतियां दूर करने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने बताया कि इसी के तहत आयोजित कार्यशाला में सामान्य मनो रोग तथा बाल एवं किशोर अवस्था में होने वाले मनो रोगों के बारे में विस्तार से आमजन से चर्चा की गई तथा इनसे संबंधित फैली भ्रांतियों एवं उनके निराकरण के बारे में प्रकाश डाला गया।

# विकलांग युवकों के लिए आजीविका संसाधन केन्द्र का उद्घाटन

लखनऊ। भारत की आबादी की 54 प्रतिशत जनसंख्या 25 वर्ष से कम आयु की है। भारत वर्ष में कौशल विकास के प्रशिक्षण एवं कुशल कार्यबल की कमी दौहरी चुनौती है, पारम्परिक रूप से शिक्षित बेरोजगार की बहुत बड़ी संख्या है। जिसमे विशेषकर विकलांग युवक जो आवश्यक व्यवसायिक कुशलता के बिना उनको रोजगार मिलना एक बहुत बडी चुनौती है। हाल में कौशल विकास और उद्यम शीलता के लिए बहुत कुछ किया गया है फिर भी विकलांग युवकों के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

जनसंख्या का बहुत बडा हिस्सा जो विशेषकर बहिष्कृत समूह है जैसे विकलांगजन, दलित, आदिवासी, मुसलमान तथा महिलायें है जिनके आर्थिक एवं सामाजिक विकास के एवं बाधाओं को पार करते हुए नये अवसर जो बाजार के विस्तार से प्राप्त हो रहे है। विकलांगता भेदभाव की खाई को पाटने के लिए कौशल विकास एक महत्पपूर्ण कदम साबित हो रहा है जिसके लिए विभिन्न स्तर पर प्रयास जारी है।

स्पार्क इण्डिया ने इन्ही प्रयासों को अमलीजामा पहनने के लिए पैक्स कार्यक्रम के सहयोग से कौशल विकास तथा रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए आजीविका संसाधन केन्द्र स्थापित करने के लिए भागीदारी की है। यह आजीविका संसाधन विद्या भवन निशातगंज में संचालित है। इसका प्रमुख उद्देश्य आवश्यक व्यवसायिक कुशलता तथा जीवन कौशल के साथ लैस करके उनको आवासीय कौशल रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना है।

सफलतापूर्वक प्रशिक्षण के पश्चात उनको रोजगार से जोडना है जिसके अन्तर्गत कम से कम 6 महीने तक उनको रोजगार में रहना में मदद करेगा। इस क्रम में पहला बैच डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुर्नवास विश्वविद्यालय मे चलाया गया जहा 40 में से 28 विकलांग युवक-युवतियों को सफलतापूर्वक प्लेसमेंट दिलाया गया। इस कार्यक्रम का प्रमुख बिन्दु उद्योग जगत के साथ पैरवी करते हुए विकलांगजनों को भेदभाव रहित वातावरण के साथ समेकित कार्य संस्कृति बनाने में मदद लेना है।

आजीविका केन्द्र के संसाधन केन्द्र का उद्घाटन विकलांगजन विकास विभाग तथा पिछडा वर्ग कल्याण के कैबिनेट मंत्री अम्बिका चौधरी के द्वारा किया गया उनके साथ गणमान्य अतिथि जो उद्योग जगत तथा सरकारी विभागों से थे कि उपस्थिति में किया गया।

स्पार्क इण्डिया एक स्वयं सेवी संस्था है जो विकलांगजनों के सम्पूर्ण पुर्नवास के लिए सन् 1996 से सतत् प्रयत्नशील है जिसके अन्तर्गत वर्ष 2003 में ज्योति किरण विद्यालय की स्थापना की शुरूआत मे विशेषकर प्रमस्तिष्क पक्षाघात वाले बच्चों की शिक्षा तथा दैनिक क्रिया कलापों की गतिविधियों के प्रशिक्षण हेतु संचालित है अब समेकित शिक्षा के अन्तर्गत समग्र शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रयत्नशील है। अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री अम्बिका चैधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार विकलांगजनों के सशक्तीकरण के लिए अधिकार आधारित व्यवस्था स्थापित कर रही है जिसके अन्तर्गत सभी योजनाओं तथा कार्यक्रमों को अद्यतन बनाया जा रहा है आज उनकी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रभावी कदम उठाये जा रहे है। संस्था स्पार्क इण्डिया भी इस क्षेत्र में सक्रिय है तथा विभिन्न क्रियाकलापों से अवगत कराती रहती है ताकि सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सके।

## विशेष योग्यजन पुरस्कार योजना में सम्मान के लिए

# प्रस्ताव 31 तक

जयपुर। राज्य के श्रेष्ठ विशेष योग्यजनों एवं विशेष योग्यजनों के क्षेत्र में कार्यरत श्रेष्ठ व्यक्तियों व सामाजिक संस्थाओं को अन्तराष्ट्रीय विकलांग दिवस 3 दिसम्बर 2015 को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय विशेष योग्यजन सम्मान समारोह में सम्मानित करने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किये गये हैं।

विशेष योग्यजन निदेशक पी.आर. पण्डित ने बताया कि इस सम्मान समारोह में 13 तरह के पुरस्कार दिये जायेंगे। आवेदक अपने जिले के जिलाधिकारी व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से सम्पर्क कर 31 अक्टूबर 2015 तक अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। पुरस्कारों की गाईड लाईन एवं आवेदन का निर्धारित प्रपत्रा विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है।

### विचार मंच

बानी ऐसी बोलिये, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करै, आपहु सीतल होय॥

**अर्थः** अपने मन से अहंकार को निकालकर ऐसी बात करनी चाहिए जिसे सुनकर दूसरों को खुशी हो और खुद भी खुश हों। **-रहीम जी**

# अभिशाप न बन पाए विशेष बच्चों का जीवन

बच्चों का पालन-पोषण और भविष्य-निर्माण एक कठिन कार्य है। लेकिन यह कार्य तब एक चुनौती बन जाता है, जब बच्चे सामान्य न होकर विकलांग या असमान्य हों। यह एक गम्भीर विषय है, जिस पर अभिभावकों, शिक्षा-संस्थानों और समाज को भी अधिक संवेदनशील और सजग होकर विचार करना चाहिए क्योंकि असामान्य बच्चे सबसे अधिक उन्हीं की अवहेलना का शिकार होते हैं। आत्मीयता का अभाव, अपनों की उपेक्षा और दिशाहीनता ऐसे बच्चों का मनोबल तोड़ देती है। वे निराशा और हीन भावना के शिकार हो जाते हैं। शिक्षा के विशेष राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षणों से देश भर में ऐसे 32 लाख बच्चों की पहचान की गई है। इनमें से 28 लाख बच्चे विद्यालयों में पढ़ रहे हैं और 28 राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों के एक लाख उनतीन हजार बच्चों को घर पर ही शिक्षा दी जा रही है। जबकि चार लाख असामान्य बच्चे अभी भी विद्यालयीन शिक्षा से वंचित हैं। गौरतलब है कि भारत में वर्ष 2009-10 में विकलांग, आदिवासी एवं दलित बच्चों को समावेशी शिक्षा देने की योजना लागू की गई है तथा इसमें कक्षा 9 से 12वीं तक के 93 प्रतिशत बच्चों को शामिल किया गया है। सर्व शिक्षा अभियान के लागू होने से दलित एवं आदिवासी बच्चों का प्रवेश बढ़ा है। सरकार ने वर्ष 2013-14 में दलितों के लिए 12600 करोड़ और आदिवासियों के लिए 6533 करोड़ रुपयों का प्रावधान किया है। जबकि असामान्य बच्चों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। उच्च शिक्षा में भी ऐसे बच्चों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आरम्भ किए गए हैं, जैसे पॉलीटेक्निक की पढ़ाई, नेत्रहीन विद्यार्थियों के लिए वित्तीय सहायता, विश्व विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नेट परीक्षा में छूट, औपचारिक शिक्षा के अलावा रोजगारमूलक प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति, निःशुल्क पुस्तकें, गणवेश आदि का प्रबंध। निःसंदेह सरकार विकलांग बच्चों की शिक्षा और बेहतर जीवन पद्धति हेतु सचेष्ट है। वैसे भी शारीरिक या मानसिक दृष्टि से विकलांग बच्चे का जन्म माता-पिता के लिए बहुत पीड़ादायक होता है। ऐसे बच्चों को विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। प्रायः देखा जाता है कि असामान्य या विकलांग बच्चों में विलक्षण प्रतिभा होती है जिसे निखारने-संवारने का हरसम्भव प्रयास किया जाना चाहिए। ताकि बच्चे अपने को कमतर न मानें और जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण आशावादी बना रहे। सरकार ने इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए ऐसे उपाय किए हैं कि विकलांगता बच्चे के लिए अभिशाप न बने। परन्तु इसकी जानकारी अभिभावकों को भी होनी चाहिए। कानून में विकलांगता को श्रेणीबद्ध किया गया है। इनमें अंधत्व, श्रवणबाधता, पैरो से अपंगता आदि के आधार पर शासकीय चिकित्सक प्रमाणपत्र जारी करते हैं। 40 प्रतिशत से अधिक विकलांगता की स्थिति में जांच के उपरान्त अधिकृत चिकित्सक इस संबंध में प्रमाणपत्र दे देते हैं। जिसके आधार पर विकलांग बच्चों को सरकार द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाएं मिल सकती हैं। पिछले दिनों असामान्य बच्चों तथा आदिवासी एवं दलित बच्चों को शिक्षा का अधिकार कानून के तहत समावेशी शिक्षा देने के कार्यक्रम की राष्ट्रीय निगरानी समिति की बैठक में शिक्षा से वंचित चार लाख असामान्य बच्चों का मामला सामने आया। यह इतना गम्भीर विषय है जिस पर अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षा-संस्थानों और पूरे समाज को चिंतन एवं विमर्श करना चाहिए। हमारे आसपास यदि काकीनाड़ा जैसी घटनाएं घट रही हैं तो हमें अपनी जागरूकता का परिचय देकर उसपर विराम लगाने का प्रयास करना चाहिए। सरकार अब निःशक्तजन के सम्मान की रक्षा हेतु भी चिंतित है इसलिए संसदीय समिति ने आमजन से सुझाव मांगे हैं। वह निःशक्तजन अधिकार विधेयक का प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। तदनुसार, विकलांगों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने पर पांच साल तक की जेल की सजा का प्रावधान होगा। नौकरी व शिक्षण संस्थानों में प्रवेश हेतु आरक्षण तीन से बढ़ाकर पांच प्रतिशत करने और कानून का पालन नहीं होने पर दण्ड के लिए विशेष न्यायालय की स्थापना का भी प्रावधान है। इसके अलावा अधिकारों की रक्षा हेतु केन्द्र व राज्य स्तर पर आयोग के गठन का प्रावधान भी है। कानून बन जाने पर सार्वजनिक भवनों में रैम्प निर्माण प्रावधानों का भी पालन करना अनिवार्य होगा। निःसंदेह विकलांग बच्चों की समस्या जटिल है। लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति और कुछ कर दिखाने का जज्बा रखने वाले बच्चों की राह आसान हो जाती है। कानून का सम्बल भी उनके राह की कठिनाइयां कम करने में सहायक होगा। लेकिन हमारा भी यह नैतिक दायित्व है कि उनके जीवन को अभिशाप न बनने दें। ऐसे बच्चों की भरपूर मदद करें ताकि वे हमारे सहयोग और सरकारी नीतियों के बल पर अपना भविष्य उज्वल बना सकें।

# काम करते करते चले गये रवीन्द्र जैन

जयपुर। संगीतकार रवीन्द्र जैन से हमारे सम्बन्ध पिछले 31 वर्षो से थे। सन 1984 में जब वे पहली बार जयपुर सुर संगम के कार्यक्रम में आये उस समय फिल्म जगत में उनके संगीत का बोल-बाला था इसके बाद वे दसों बार सुर संगम के कार्यक्रमों में जयपुर आये

वीणा के कार्यक्रम एवं अन्य कार्यक्रमों में जयपुर आने पर व्यक्तिगत रूप से मिलने, साथ बैठने, आफिस आने का समय अवश्य निकालते।

2 अक्टूबर को सायं 7-8 बजे मुम्बई में उनके निवास पर मिला। वे अपने घर में स्थित स्टूडियों में रिकार्डिंग कर निवृत्त हुए थे घर में प्रवेश करते हुए बडे आत्मीय पूर्ण वातावरण में मुलाकात हुई उनको स्वास्थ्य के प्रति सचेत करते हुए मैंने कहा कि अब आपका शरीर इस लायक नहीं है कि आप बाहर कार्यक्रमों में सम्मिलित हो उन्होंने तुरन्त जवाब दिया काम नहीं करेंगे तो जी कर क्या करेंगे और दूसरे दिन नागपुर पहुंचते ही उनको युरीन इन्फेक्शन हो गया वहां से एयर एम्बुलेन्स से उन्हें मुम्बई के लीलावती अस्पताल लाया गया जहां उन्होंने आखिरी सांस ली। उनके मन में जयपुर बसा हुआ था जयपुर भी सदा उनको याद करेगा। सुर संगम के अध्यक्ष के.सी. मालू एवं महा सचिव मुकेश अग्रवाल ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए बताया कि सुर संगम के प्रतिभा खोज अभियान में प्रतिभाओं को निखारने में उनकी कमी हमेशा खलेगी। व्यक्तिगत रूप से किस कलाकार ने कब क्या और कैसा गाया यह उन्हें हमेशा याद रहता था व उसे निरन्तर आगे बढने के लिये प्रशिक्षण देते रहते थे।

हिन्दी सिनेमा जगत के महान संगीतकार अपनी आँखों से नहीं वरन मन के कोमल और सुन्दर नैनो से दुनिया को देख सदैव उसको गीतों में पिरो दिया निश्चल कोमल मन वाले मधुर कंठ के सरताज गायक एवं संगीतकार रविन्द्र जैन हमें छोड़ कर अपने शब्द और संगीत को हमेशा हमेशा के लिए अमर कर चल दिए।

रविन्द्र जैन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आल मीडिया जर्नलिस्ट सोशल वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार संगीत प्रेमी अशोक एल लुनिया ने कहा की सतरंगी के सात सुरों के माध्यम से श्री जैन मन की पवित्र निगाहो से देख जो कुछ समाज से प्राप्त किया हर वक्त हर क्षण में उन्होंने अमूल्य गीतों के रूप में हमेशा लौटाया, सदैव नयापन के साथ श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। संगीत जगत में मन्ना डे के दृष्टिहीन चाचा कृष्णचन्द्र डे के बाद रवीन्द्र जैन दूसरे व्यक्ति हैं जिन्होंने दृश्य-श्रव्य माध्यम में केवल श्रव्य के सहारे ऐसा इतिहास रच दिया। स्व. रवीन्द्र जी जिस तरह संगीत के प्रति समर्पित रहे उसी तरह धर्म के प्रति भी समर्पित व्यक्तित्व वाले पुण्यात्मा थे। देश विदेश में अनगिनत पुरस्कार प्राप्त कर भारत सरकार के कई महान अवार्ड से नवाजे जाने के जैन समाज रत्न के नाम से भी विख्यात थे ऐसे महान पुण्यात्मा की कमी कभी पूरी नहीं हो सकती।

# मंत्री की प्रेरणा से भामाशाह ने खेरूराम के परिवार को लिया गोद

जयपुर। राज्य के संवेदनशील सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अरूण चतुर्वेदी ने जयपुर जिले के आमेर उपखण्ड क्षेत्र के अचरोल गांव के बुनकर मौहल्ले के निवासी वृद्ध खेरूराम एवं उनके परिवार के सदस्यों की घर पर जाकर कुशलक्षेम पूछी तथा कहा कि राज्य सरकार उनकी हर संभव मदद करने को तत्पर है।

चतुर्वेदी ने मौके पर ही उपखण्ड अधिकारी को निर्देश दिये कि खेरूराम को उनकी पात्रता के अनुरूप वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाने के लिए तत्परता से कार्यवाही करें। उन्होंने खेरूराम को आस्था कार्ड उपलब्ध कराने की भी कार्यवाही शीघ्रता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपखण्ड अधिकारी को खेरूराम के घर के बिजली एवं पानी के कनेक्शन भामाशाह के सहयोग से तत्परता से कराने के भी निर्देश दिए।

चतुर्वेदी बुनकर मौहल्ले के लोगों से भी मिले तथा उनकी समस्याओं को सुना और मौके पर ही जेडीए के संबंधित उपायुक्त को इस मौहल्ले से निकल रहे पक्के नाले को ढकने की कार्यवाही शीघ्रता से करने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने यहां के बच्चों से बातचीत की और उन्हें पढ़-लिखकर देश का होनहार और संस्कारवान युवा बनकर राष्ट्र की सेवा में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु उत्साहवर्द्धन किया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री को आमेर के उपखण्ड अधिकारी ने मौके पर जानकारी दी की खेरूराम एवं उसकी पत्नी श्रीमती रतनी तथा विशेष योग्यजन पुत्र तिलक को जून माह तक की वृद्धावस्था एवं विशेष योग्यजन पेंशन उपलब्ध करायी जा चुकी है तथा उप जिला कोषाधिकारी आमेर के कार्यालय से इन तीनों की जुलाई, अगस्त माह की पेंशन स्वीकृत की जा चुकी है जिसे तत्परता से यहां के पोस्ट ऑफिस कार्यालय से दिलवायी जायेगी। सितम्बर माह की पेंशन भी तत्परता से स्वीकृत कराने की कार्यवाही की जा रही है। इस अवसर पर उनके साथ आमेर के प्रधान सीताराम शर्मा, सतीश पूनियां सहित अन्य जनप्रतिनिधि, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त निदेशक एम.पी. मीणा, उप निदेशक बी.एल.वर्मा, उपखण्ड अधिकारी बीरबल सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।भामाशाह ने खेरूराम के परिवार को गोद लिया, 5 हजार रूपये की नकद सहायता राशि दी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अरूण चतुर्वेदी की प्रेरणा से प्रेरित होकर अदविका इन्फ्रा एण्ड डवलपर्स के निदेशक नवीन गौड़, कुलदीप व्यास एवं अनिल जैन ने खेरूराम को 5 हजार रूपये की नकद सहायता राशि प्रदान की तथा एक माह की राशन सामग्री उपलब्ध करायी। चतुर्वेदी ने खेरूराम को भामाशाह द्वारा उपलब्ध करायी गयी खाद्य सामग्री जैसे आटा, चीनी, तेल, घी, चाय, मसाले, साबुन इत्यादि भेंट की।

इस अवसर पर भामाशाह नवीन गौड ने कहा कि मंत्री अरूण चतुर्वेदी की प्रेरणा से ही खेरूराम के परिवार को गोद लिया गया है तथा खेरूराम के परिवार के लिए उनके द्वारा प्रतिमाह उनकी आवश्यकतानुसार उपरोक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध करायी जायेगी।

**विकलांग मंच कार्यालयः** प्लाट नं. 141, सेक्टर-8, मालवीय नगर, जयपुर-302017, फोनः0141-2547156. फोटो टाइपसेटिंगः टास्क ग्राफिक्स (मोबा.:9828278728)। मुद्रितः श्रीराम आफसेट, जोरावरसिंह गेट बाहर, आमेर रोड, जयपुर। संरक्षकः डी.आर.मेहता (रिटा.आईएएस)। प्रधान संपादकः एम.आर.सिंघवी (रिटा.आईआईएस)। प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादकः एन.के.खत्री। संपादकीय सलाहकारःडॉ. अरुण माथुर। हाडोती अंचल ब्यूरो प्रमुखः अर्जुन देव चड्ढा, कोटा। प्रबन्धकःधर्मपाल। E-Mail:vicklangmanch@ymail.com / vicklangmanch@gmail.com

# वन्य जीव संरक्षण सप्ताह के अन्तर्गत मूक-बधिर विद्यार्थी सम्मानित

जयपुर। वन्य जीवन संरक्षण सप्ताह के अन्तर्गत आयोजित कोलाज व ऑन द स्पॉट पेन्टिंग प्रतियोगिता में राजकीय सेठ आनन्दी लाल पोद्दार मूक-बधिर संस्थान, जयपुर के छात्र गोविन्द मेहरा व छात्रा रूबी शर्मा को क्रमश: ऑन द स्पॉट पेन्टिंग में द्वितीय स्थान व कोलाज प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री राजकुमार रिणवां द्वारा सम्मानित किया गया। राजकीय सेठ आनन्दी लाल पोद्दार मूक बधिर संस्थान, जयपुर के चित्रकला प्रभारी योगेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि मंत्री महोदय ने मूक बधिर बच्चों की पेन्टिंग व कोलाज को देखकर इन्हे वन विभाग की और से नि:शुल्क रणथम्भौर या सरिस्का भ्रमण का वादा भी किया।

# नि:शुल्क पोलियो करेक्टिव सर्जरी कैम्प

दिल्ली। तरुण मित्र परिषद द्वारा श्रद्धा सदन, हस्तिनापुर में एक नि:शुल्क

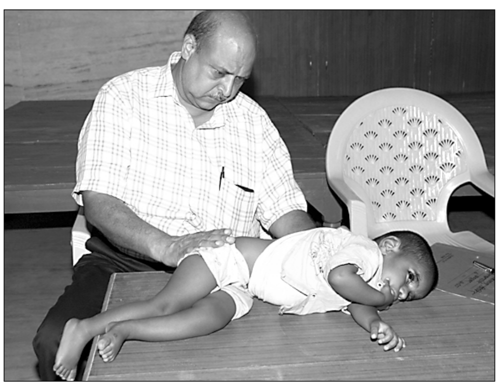

पोलियो करेक्टिव सर्जरी कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प का उद्घाटन करते हुए समाजसेविका मृदुला जैन ने कहा कि तरुण मित्र परिषद ने यहाँ सामाजिक कार्यों के लिए श्रद्धा सदन का निर्माण कर एक प्रशंसनीय कार्य किया है। परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि नरेश चंद जैन की स्मृति मे मृदुला व ओशो जैन के सहयोग से आयोजित इस विराट कैम्प में सोसायटी फॉर पोलियो एंड केयर फॉर डिस्एबल्ड, नई दिल्ली के आर्थोपैडिक सर्जन डा. अरुण जैन ने 55 पोलियोग्रस्त व अन्य रोगियों के पैरों की जांच कर 10 रोगियों को उनके टेढे पैरों को शल्य चिकित्सा कर सीधा करने हेतु चयन कर दिल्ली अस्पताल ले जाया गया । इस अवसर पर प्रेरणा गुप्ता द्वारा रोगियों की एक्यूप्रेशर पद्धति द्वारा चिकित्सा भी की गई। कार्यक्रम में श्रद्धा सदन समिति के प्रमुख सदस्य सुभाष चन्द जैन घी वालों ने बताया कि श्रद्धा सदन में ग्रामीण साधनहीन बच्चों को कम्प्यूटर, इंगलिश स्पीकिंग एवं सिलाइ प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अवसर पर सह सचिव राकेश जैन व पी.आर.यादव भी उपस्थित थे।

# आरपीएससी ने नही दिया विशेष योग्यजनों का हक

जोधपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से सहायक लोक अभियोजक ग्रेड द्वितीय भर्ती में विशेष योग्यजनों के लिए नियमानुसार उचित आरक्षण का प्रावधान नहीं करने के मामले में राजस्थान हाइकोर्ट में याचिका दायर की गई है।

न्यायाधीश अरूण भंसाली ने याचिका पर सुनवाई के बाद राज्य सरकार व आरपीएससी को याचिकाकर्ता का प्रतिवेदन चार सप्ताह में निस्तारित करने के आदेश दिए है। याचिकाकर्ता जोधपुर निवासी विक्रमसिंह चौहान की ओर से अधिवक्ता परवेज मोयल ने बताया कि आरपीएससी ने सहायक लोक अभियोजक ग्रेड द्वितीय के 272 पदों के लिए 15 मई 2015 को विज्ञप्ति जारी की गई। जिसमें विशेष योग्यजनों के लिए मात्र 7 पद आरक्षित किए गए है जबकि नियमानुसार नि:शक्तजन वर्ग के लिए 9 पदों का आरक्षण होना चाहिए। सुनवाई के बाद न्यायाधीश भंसाली ने याचिकाकर्ता की ओर से दिए प्रतिवेदन को विधिसम्मत निस्तारण करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने चार सप्ताह में प्रतिवेदन का निस्तारण नहीं होने पर याचिकाकर्ता को पुन: याचिका दायर करने की भी छूट दी है।

-सं. डॉ.देवीलाल पंवार

# ऑथोपेडिक इम्पलान्ट व्यवसायिकों का आकस्मिक निरीक्षण

## अनियमितता पाये जाने पर की गयी कार्यवाही

जयपुर। ऑथोपेडिक इम्पलान्ट की जाँच के क्रम में औषधि नियंत्रण संगठन द्वारा शहर के तख्तेशाही रोड स्थित मैसर्स सर्जिटेक का निरीक्षण किया एवं निरीक्षण के दौरान बिना लाईसेंस के निर्माण करने वाले एक्सएलओ क्वालिटी के आर्थोपेडिक प्रोडेक्ट्स दिल्ली के आर्थोलाईफ सिस्टम द्वारा निर्मित सभी मेडिकल डिवाईसेज की बिक्री पर रोक लगा दी है।

औषधि नियंत्रक अजय कुमार जैन ने बताया कि निरीक्षण के दौरान उपलब्ध स्टॉक में डिवाईस का विवरण भी नहीं पाया गया। जैन ने बताया कि मैसर्स गणपति प्लाजा स्थित नवजीवन डिस्ट्रीब्यूटर्स पर निरीक्षण के दौरान आयातित ऑथोपेडिक इम्पलान्ट्स का भारी स्टॉक पाया गया परन्तु आयातित इम्पलान्ट्स का क्रय बिल प्रस्तुत नहीं करने एवं इम्पलान्ट्स के लेबल पर आवश्यक सूचना नहीं होने के कारण इनकी बिक्री पर रोक लगा दी गयी है। इनका बाजार मूल्य 6 करोड रुपये से भी अधिक है। औषधि नियंत्रक ने बताया कि सी-स्कीम स्थित मैसर्स देवी डिस्ट्रीब्यूटर्स के निरीक्षण में एक ही तरह के ऑथोपेडिक इम्पलान्ट अलग-अलग मूल्य पर बेचने की जानकारी मिली। जारी किये गये बिलों मे प्रत्येक इम्पलान्ट का अलग से मूल्य न दर्शाकर पूरे सेट का मूल्य लिखा जा रहा था। जैन ने बताया कि संबंधित सहायक औषधि नियंत्रकों को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम एवं नियमावली के प्रावधानों के अनुसार मेडिकल डिवाईस पर आवश्यक विवरण नहीं होने पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया है।

## सुखी जीवन के 8 मंत्र

1. पुजा करते हो तो – विश्वास करना सीखो.
2. बोलने से पहले – सुनना सीखो.
3. खर्च करने से पहले – कमाना सीखो.
4. लिखने से पहले – समझना सीखो.
5. हार मानने से पहले – फिर से कोशिश करना सीखो.
6. रिश्ते बनाने से पहले – निभाना सीखो.
7. मरने से पहले – खुलकर जीना सीखो.
8. रोने से पहले – किसी को हंसाना सीखो.

## राजस्थान सरकार
## निदेशालय विशेष योग्यजन

**जी 3/1 ए, राजमहल होटल के पीछे, सिविल लाईन, जयपुर**

क्रमांक: एफ16(1)()नि.वि.यो./ASO/2015/8660 जयपुर, दिनांक: 1.10.15

## सार्वजनिक सूचना

राज्य के श्रेष्ठ विशेष योग्यजनों एवं विशेष योग्यजनों के क्षेत्र में कार्यरत श्रेष्ठ व्यक्तियों/संस्थाओं को नीचे वर्णित श्रेणियों में अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस 3 दिसम्बर को राज्य स्तरीय विशेष योग्यजन पुरस्कार योजना में सम्मानित करने हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं:–

1. सर्वश्रेष्ठ विशेष योग्यजन कर्मचारी/स्वनियोजित विशेष योग्यजन
2. सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा स्थापन अधिकारी/संस्था
3. विशेष योग्यजन व्यक्तियों के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति और संस्था
4. प्रेरणा स्रोत पुरस्कार
5. विशेष योग्यजन व्यक्तियों के जीवन में सुधार लाने के उद्देश्य से किया गया सर्वश्रेष्ठ अनुप्रयुक्त अनुसंधान/अभिनव/उत्पाद विकास
6. विशेष योग्यजन व्यक्तियों के लिए बाधामुक्त वातावरण निर्मित करने हेतु किया गया उत्कृष्ट कार्य
7. पुनर्वास सेवाएं प्रदायी सर्वश्रेष्ठ जिला
8. राष्ट्रीय विशेष योग्यजन वित्त एवं विकास निगम की सर्वश्रेष्ठ राज्य परिचालन संस्था
9. उत्कृष्ट सृजनशील वयस्क विशेष योग्यजन व्यक्ति
10. सर्वश्रेष्ठ सृजनशील बालक/बालिका विशेष योग्यजन के लिए
11. सर्वश्रेष्ठ ब्रेल प्रेस
12. सर्वश्रेष्ठ सुगम्य वेबसाइट
13. सर्वश्रेष्ठ विशेष योग्यजन खिलाड़ी

आवेदक अपने जिले के जिलाधिकारी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से सम्पर्क कर उक्त वर्णित श्रेणी एवं श्रेणी हेतु नियत प्रारूप में अपना आवेदन पत्र दिनांक 31 अक्टूबर, 2015 तक जिलाधिकारी को प्रस्तुत करें, इसके बाद जिलाधिकारी द्वारा प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पुरस्कारों की गाइड लाइन एवं निर्धारित प्रपत्र आपके जिले के जिला कलेक्टर एवं जिलाधिकारी के पास एवं विभागीय वेबसाइट **http://sje.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

(पी.आर. पण्डत) निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव

# विशिष्ट बच्चों के स्वस्थ मंगलकामना हेतु गायत्री यज्ञ

राजसमंद। श्री द्वारकेश अक्षम सेवा संस्थान द्वारा विश्व बधिर दिवस पर विशिष्ट बच्चों (मानसिक विमंदित, सेरेब्रल पाल्सी, श्रवण एवं दृष्टि बाधित) के कल्याणार्थ गायत्री यज्ञ का आयोजन जागृति उच्च माध्यमिक विशिष्ट विद्यालय, अभिनन्दन वाटिका में किया गया। गायत्री यज्ञ का प्रारम्भ विशिष्ट बच्चों द्वारा दीप प्रज्जवलित एवं माता सरस्वती एवं गायत्री माता पर पुष्प अर्पित कर किया। उसके पश्चात् पधारे हुए अतिथियों ने हवन-आहूति देकर विशिष्ट बच्चों के पूर्णत: स्वस्थ्य रहने के साथ उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। इस महायज्ञ में विशिष्ट बच्चों को आशीर्वाद देने एवं उनके स्वस्थ्य जीवन के लिए सिन्धी समाज अध्यक्ष लधाराम परियानी, शंकर सचदेव, अनिल राजपूत, राजू चौरड़िया, डॉ. लाभेष जैन, अभिभावक गण, समाजसेवी लोग उपस्थित थे। महायज्ञ को गायत्री परिवार द्वारा सम्पन्न कराया गया। अंत में राकेश परियानी ने सभी का आभार प्रकट किया। प्रसाद वितरण कर समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अनिता परियानी ने किया। स्टॉफ के सभी सदस्य चन्दन कुंवर, शारदा शर्मा, शारदा यादव, उमेश, मंजू, रोमा, अशोक पटेल, कान सिंह, जितेन्द्र श्रीमाली, छोटी यादव, नन्दलाल यादव व विशिष्ट बच्चों इत्यादि ने इस महायज्ञ को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया ।


पंजीकरण संख्या : ॥ ओ३म्॥ रसीद संख्या :

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्देशन में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में

## 12 वां आर्य परिवार युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन

सम्मेलन कार्यालय : 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली -110001 टैलिफैक्स :- 011-23360150, 23365959,
Email: aryasabha@yahoo.com website : www.thearyasamaj.org

**पंजीकरण प्रपत्र**

: व्यक्तिगत विवरण :

"आवेदक अपना फोटो अनिवार्य रूप से लगाएं।"

1. युवक/युवती का नाम :.......................................................गोत्र.......................
2. जन्मतिथि:............................ स्थान : ...........................समय :.................
3. रंग............................ वजन ............................ लम्बाई.....................
4. योग्यता (शैक्षणिक एवं अन्य) : ...........................................................
5. युवक/युवती सेवारत, व्यवसाय में है तो उसका विवरण/ पता ...................................... मासिक आय ....................

: पारिवारिक विवरण :

6. पिता/सरंक्षक का नाम ............................ व्यवसाय: ................................ मासिक आय.................
7. पूरा पता: ........................................................................................
   दूरभाष :.............................. मोबा :............................ ईमेल: ...............................
8. मकान निजी/किराये का है.........................................................................
9. माता का नाम :.................................... शिक्षा :........................ व्यवसाय : ....................
10. भाई: विवाहित .......... अविवाहित: ........... बहन : विवाहित ................. अविवाहित :..............
11. उम्मीदवार/अभिभावक किस आर्यसमाज के सदस्य हैं? .........................................
12. युवक/युवती कैसी चाहिए (संक्षिप्त टिप्पणी दें) ................................................
13. युवक/ युवती यदि इनमें से हो तो सही पर (✔) लगाएं : विधुर : ☐ विधवा: ☐ तलाकशुदा: ☐ विकलांग: ☐
14. विशेष: किसी और बात का उल्लेख करना चाहते हों तो उसे यहां संक्षेप में लिखें:.....................

दिनांक : .................................... पिता/संरक्षक के हस्ताक्षर

नोट:1. कृपया इस फार्म के साथ निर्धारित रजिस्ट्रेशन शुल्क रु. 300/- का ड्राफ्ट/मनीआर्डर द्वारा भेजें अथवा दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के नाम एक्सिज बैंक खाता सं. 910010001816166 करोल बाग शाखा में जमा कराकर रसीद फार्म के साथ भेजें।

नई दिल्ली 6 दिसम्बर 2015

**परिचय सम्मेलन 6 दिसम्बर 2015 आर्य समाज, हनुमान रोड़-15, नई दिल्ली-110001** में आयोजित किया जाएगा। विशेष जानकारी हेतु राष्ट्रीय संयोजक श्री अर्जुनदेव चड्ढा (9414187428) अथवा दिल्ली संयोजक श्री एस. पी. सिंह (9540040324) से सम्पर्क करें।

2. विकलांग युवक-युवतियों तथा विधवा एवं तलाकशुदा युवतियों के लिये रजिस्ट्रेशन शुल्क में 50% छूट होगी।
3. विवाह सम्बन्ध बनाने से पूर्व दोनों पक्ष अपनी सन्तुष्टि कर लें। सभा इसके लिए उत्तरदायी नहीं होगी।
4. आप इस फार्म को www.thearyasamaj.org से डाउनलोड कर भेज सकते हैं। फोटो कॉपी प्रति भी मान्य है।
5. पंजीकरण की अन्तिम तिथि 20 नवम्बर 2015 है। कृपया सुनिश्चत करें कि आपका फार्म 20 नवम्बर 2015 की सायंकाल तक सम्मेलन कार्यालय में अवश्य पहुंच जाए। इसके बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों को तत्काल पंजीकरण के रूप में स्वीकार किया जाएगा तथा उनका विवरण सम्मेलन के बाद में प्रकाशित होने वाली विवरणिका में ही सम्मिलित होगा।
6. माता-पिता/अभिभावक रजिस्ट्रेशन शुदा पुत्र/पुत्री को सम्मेलन में अवश्य लायें। कॉलम नं. 11 भरे बिना फार्म स्वीकार्य नहीं होगा।

युवक और युवतियां परस्पर एक-दूसरे के गुण-कर्म और स्वभाव मिलने पर ही विवाह करें - *महर्षि दयानन्द सरस्वती*


# बाल कलाकार नृत्य प्रतियोगिता

दिल्ली की प्रमुख समाजसेवी संस्था तरुण मित्र परिषद् ने नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया। परिषद् के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि जैन मंदिर, लक्ष्मी नगर में आयोजित इस भव्य नृत्य प्रतियोगिता में 22 बाल कलाकारों ने अपनी अनूठी कला का प्रदर्शन कर सभी कला प्रेमियो का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निगम की स्थाई समिति के सदस्य बी बी त्यागी ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते हुए कहा कि देश की कला एवम संस्कृति को संजोय रखने के उद्देश्य से आयोजित यह नृत्य प्रतियोगिता एक ओर तो सभी का मनोरंजन कर रही है वहीं दूसरी ओर बाल कलाकारों को अपनी कला निखारने का सुअवसर प्रदान कर रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रद्धा सदन समिति के प्रमुख सदस्य सुभाष चन्द जैन घी वाले ने कहा कि श्रद्धा सदन, हस्तिनापुर में ग्रामीण बच्चों को कम्प्यूटर, इंग्लिश स्पीकिंग, सिलाई के अतिरिक्त रोगियों का एक्यूप्रेशर पद्यति द्वारा उपचार किया जा रहा है। वहां सभी के ठहरने की सुविधायुक्त व्यवस्था है। संयोजिका उषा जैन के अनुसार निर्णायक मंडल में राधा, बबीता व कविता ने अलीशा अग्रवाल, स्तुति व भव्या जैन को क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेता घोषित किया। मंच संचालन राजेंद्र प्रसाद जैन ने किया। इस अवसर पर मंदिर प्रधान विनोद जैन, मंत्री प्रवीण जैन, परिषद् के सहसचिव राकेश जैन, अंजलि जैन व मिथलेश जैन आदि उपस्थित थे ।

# नि:शक्तों को दी 24 सिलाई मशीन

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान एवं आईसीआईसीआई स्वरोजगार उद्यमिता संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में नि:शक्तजन के लिए चलाये जा रहे विभिन्न नि:शुल्क स्वरोजगारपरक प्रशिक्षणों के क्रम में 45 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण का संस्थान के बड़ी स्थित परिसर में समापन हुआ। जिसमें देश के विभिन्न भागों से संस्थान में नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए आये 24 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये तथा आईसीआईसीआई स्वरोजगार उद्यमिता संस्थान की ओर से आर.सेठी व शानु सिंह ने सिलाई मशीने प्रदान की। प्रशिक्षक नसरीन बानु ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

# समाज के लिए मांगने का तरीका सलीके से होना चाहिए:यादव

जयपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि आबादी के हिसाब से हमारा देश बहुत बड़ा है और इसमें समाज के लिए कुछ मांगने का तरीका सलीके से होना चाहिए। यादव यहां अखिल भारतवर्षीय युवा यादव महासभा के अधिवेशन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा कोई मांग उठाई जाती है तो लोगों द्वारा उसे बदनाम करने की कोशिश की जाती है इसलिए समाज की मांग को शांतिपूर्ण एवं सलीके से उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज संगठित होकर राजनीतिक क्षेत्र में आगे बढ़ने की सोच रहा है यह अच्छी बात है लेकिन राजनीति का रास्ता बड़ा ही उबड़ खाबड़ एवं आड़ा तिरछा है न जाने कब कहां अवरोध उत्पन्न हो जाये। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण के दौर में बाजार बड़े हो रहे है तथा बाजारों से चीजे भाग रही है जिन्हें पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में समाज के युवाओं को पढ़ाई की ओर ध्यान देना होगा तभी वे प्रतियोगिता में सफलता पा सकते है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में गांव में लैपटॉप बांटकर समाजवादी पार्टी ने युवाओं के मन से कम्प्यूटर का भय निकाल दिया लेकिन फिर भी हमारे ऊपर आरोप लगा कि लैपटॉप बांटने से भारतीय जनता पार्टी जीत गई।

## विशेष योग्यजन खेलकूद का उद्घाटन

जोधपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अरुण चतुर्वेदी ने जोधपुर के नेत्रहीन विकास संस्थान में जिला स्तरीय विशेष योग्यजन खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण द्वारा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि भगवान ने चुनौती तो दी है मगर नेत्रहीन विद्यालय के बच्चों ने अपनी सामर्थ्य से इसे नियंत्रित कर लिया है। यहां के बच्चों ने विलक्षण प्रतिभाएं बनकर देश व दुनियां में अपना अहम स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि डिसएबल्ड होते हुए भी बड़ी से बड़ी प्राशासनिक सेवाओं और हर क्षेत्र में अपने-अपने हूनर के आधार पर प्रतिभाओं को अभिव्यक्ति दी है।

**अनेक उपयोगी कामों को करने की घोषणा**

चतुर्वेदी ने कहा कि केन्द्र से आग्रह करके जोधपुर में जयपुर एस. एम. एस. की तर्ज पर यहां एम्स अथवा चयनित अस्पताल में कोकलिया प्लांट लगवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जयपुर में 100 ऐसे भवनों की छंटाई की गई है जिसमें अशक्त लोगों के लिए रैंप, लिफ्ट व टॉयलेट को अनुकूल दृष्टि से बनवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक क्षेत्र में लाजवाब प्रतिभाएं हैं तथा इन अशक्त बच्चों को रागिनी कार्यक्रम के तहत जयपुर सहित अन्य शहरों में भी प्लेटफॉर्म प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेत्रहीन विकास संस्थान द्वारा पाली में शुरू संस्थान को राज्य सरकार के अनुदान व सहायोग के साथ विकसित किया जाएगा मगर इसके लिए प्रक्रिया के तहत आवेदन प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने बताया कि जोधपुर गंगाणा में निर्मित मानसिक पुनर्विकास केन्द्र का जल्दी ही लोकार्पण समारोह किया जाएगा। उन्होंने आग्रह किया कि नेत्रहीन बच्चों द्वारा निर्मित हैण्डीक्राफ्ट की बेहतरीन सामग्री को नीलामी के माध्यम से क्रय किए जाएं ताकि अधिकाधिक सहायता प्राप्त हो सके। उन्होंने बताया कि 5 साल से कम अशक्त बच्चे के ऑपरेशन या चिकित्सा के लिए कोई कमी नहीं है तथा यहां एम. डी. एम. अस्पताल में इसकी माकूल व्यवस्था है। चतुर्वेदी ने महापौर की ओर से नेत्रहीन विकास संस्थान के लिए 15 लाख रुपए निगम द्वारा सहयोग की घोषणा की।

इस अवसर पर नगर निगम के महापौर घनश्याम ओझा ने कहा कि नेत्रहीन विद्यालय के बच्चे प्रतिभावान हैं और समाज के हर वर्ग को इनके विकास में सहायक बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा संस्था को हर संभव सहायता दी जाएगी।

## विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

भिवानी। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सीबीएलयू भिवानी में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एमए सोशल वर्क एवं एमए मनोविज्ञान के द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। विवि के कुलपति प्रो. एस के गक्खड़ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता डॉ. सतीश आर्य ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समाज को सही रास्ता दिखाने का काम करते हैं। डॉ. आर एल सैणी ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आपका यह प्रयास सराहनीय व प्रेरक है। मनोविज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. राकेश वर्मा ने मानसिक विक्षिप्तता विषय पर बोलते हुए बच्चों को जागरूक किया। प्राध्यापिका पूजा शेखावत ने मानसिक असंतुलन विषय पर अपने विचार रखे। प्राध्यापिका गितिका मल्होत्रा ने मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2015 की थीम 'डिग्री इन मैंटल हैल्थ' पर बोलते हुए इसमें सोशल वर्कर की भूमिका की प्रासंगिता पर अपने विचार सांझा किए। कार्यक्रम के दौरान सोशल वर्क के विद्यार्थियों द्वारा एक नुक्कड नाटक भी प्रस्तुत किया। नाटक का विषय मानसिक विक्षिप्तता के प्रति समाज की संकीर्णता विषय पर अभिनयात्मक प्रस्तुति दी। नाटक के अंतर्गत नशे व पाखंडी बाबाओं के चंगुल से निकलने की प्रेरणा दी। विवि के कुलपति प्रो. एस के गक्खड़ ने नुक्कड़ नाटक की बेहतरीन प्रस्तुति के लिए विद्यार्थियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

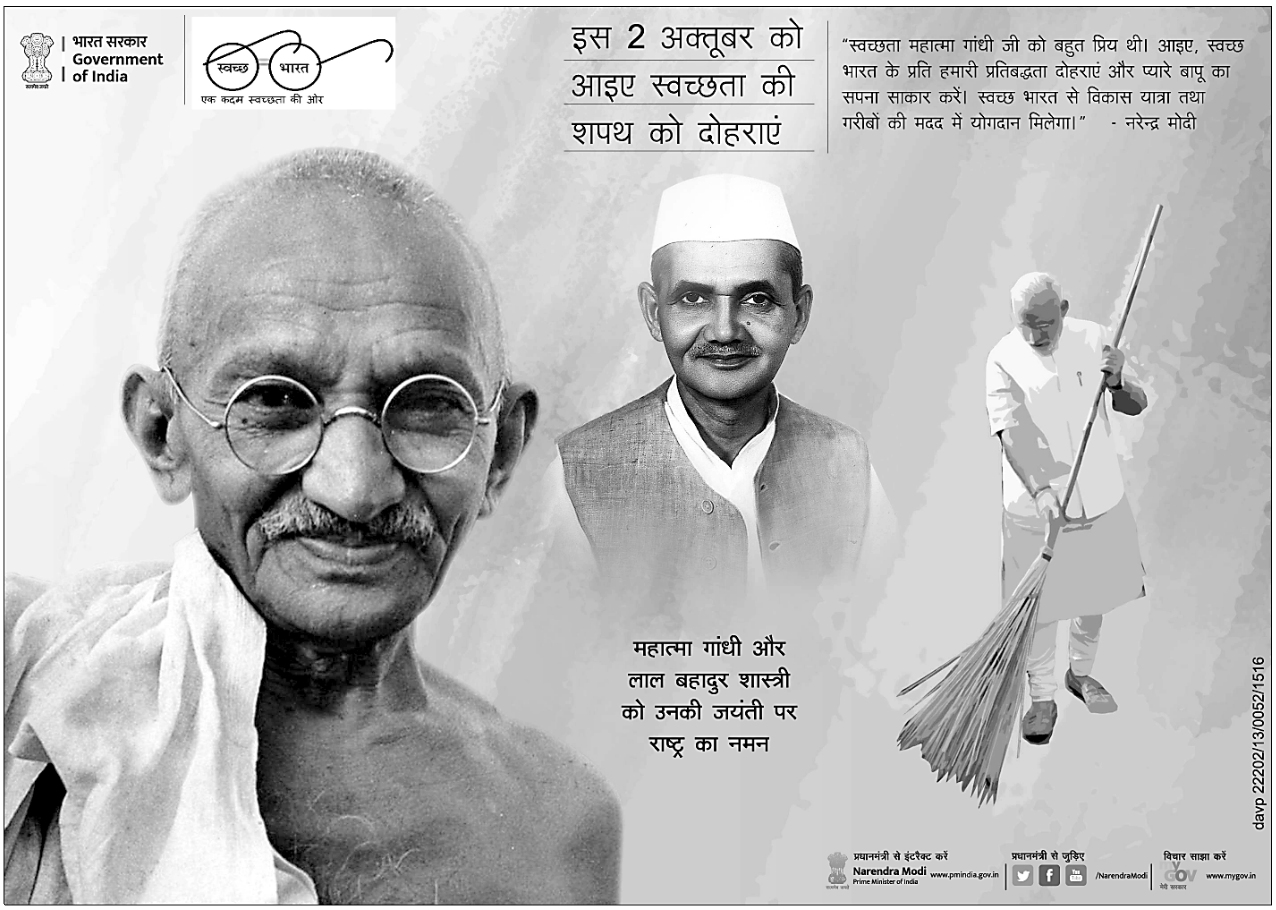

# डालमचन्द मालू को समाज भूषण सम्मान

जयपुर। अखिल भारतीय ओसवाल परिषद् द्वारा समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय समाज सेवी व्यक्तियों एवं संस्थाओं का अलंकरण एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

समारोह के अन्तर्गत पूर्व न्यायाधिपति जसराज चौपड़ा, महापौर-जयपुर श्री निर्मल नाहटा एवं संस्था के संस्थापक चैयरमेन रायचन्द खटेड़,संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरपत सिंह चोरड़िया द्वारा तत्वज्ञान व आध्यात्मिक साधना में अभूतपूर्व योगदान के लिए डालमचन्द मालू को ''समाज भूषण'' सम्मान प्रदान करते हुए शाल ओढाकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जैनाचार्य महाश्रमण द्वारा नेपाल में श्रीमालू के स्वाध्याय के सम्बन्ध में दिए गए उद्बोधन के अंश सभागार में सुनाए गए। आचार्य महाश्रमण द्वारा समाज के लिए इनके तत्व-ज्ञान चिन्तन, आध्यात्मिक योगदान की प्रषंसा करते हुए जीवन के 10वें दषक में ज्ञान को साधु-साध्वियों एवं अन्य लोगों तक पंहुचाने के प्रयासों को अनुकरणीय बताते हुए इनके आध्यात्मिक जीवन में निरन्तर प्रगति एवं स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की मंगल कामना की।

# उदयपुरवाटी में सिंडीकेट बैंक शाखा शुरु

जयपुर। झुंझुनूं जिले के कस्बा उदपुरवाटी में सिंडिकेट बैंक की राजस्थान में 87 शाखा एंव झुन्झुनू जिले की दुसरी शाखा का शुभारम्भ हुआ। शाखा का शुभारम्भ एसडीएम एमआर बागड़िया, संजीव कुमार उप महा प्रबन्धक जयपुर ने फीता काटकर किया।

समारोह को सम्बोधित करते हुए बगड़िया ने कहा कि बैक ही एक ऐसा साधन है जो जरूरतमंद को ऋण देने के लिये मना नही करते है किन्तु ऋण लेने वाले को भी चाहिये कि वह समय पर बैंक की राशि अदा करे जिससे बैंक का ऋण लेने वाले के प्रति विश्वास भी बना रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संजीव कुमार ने बैंक के बारे में पूरी जानकारी विस्तार से दी। शाखा प्रबंधक प्रमोद कुमार सैनी ने बैंक द्वारा दी जाने वाली नियमित सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर बीडीओं भगवानसिंह चौहान, थानाधिकारी माधोराम, नायब तहसीलदार अम्मीलाल मीणा, व्याख्याता रजत चौधरी, सुशीला सैनी, पीएचईडी एईएन प्रवीणकुमार

वर्मा, एचपी गैस के शाखा प्रबंधक रामप्रताप पुलकित, रेंजर प्रेमशंकर मीणा, कनिष्ट लेखाकार सांवरमल मीणा, पालिका उपाध्यक्ष अमरचंद मीणा, पुर्व पार्षद भोमाराम सैनी, राजेन्द्र मारवाल, मास्टर बनवारीलाल मीणा, बाबू बारूदगर, भाजपा नेता धुड़मल सैनी, श्रवण मीणा, मोहन शेखावत, दशरथसिंह राव, मुकेश मीणा, हरिसिंह मीणा,प्रभात मीणा, रामजीवन शाह आदि मौजुद थे।

# विशेष शिक्षा में 2 वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम

अजमेर। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था चाचियावास द्वारा 2 वर्षीय विशेष शिक्षा मे बी.एड. (मेंटल रिटार्डेशन एवं इन्क्लूजिव एज्यूकेशन) का पाठ्यक्रम महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त कर प्रारम्भ किया जा रहा है महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय द्वारा विशेष शिक्षा के लिए यह पहला पाठ्यक्रम है जो विशेष आवश्यकता वाले अध्ययनरत छात्रों के लिए अध्यापक प्रशिक्षण का अवसर उपलब्ध करायेगा। इस सम्बन्ध में वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार कौशिक ने निम्न प्रकार से जानकारी दी।

**विशेष शिक्षक कौन:-** भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त संस्था/ विश्वविद्यालय से विशेष शिक्षा मे डिप्लोमा तथा डिग्रीधारी (विशेष-प्रशिक्षित) व्यक्ति ही विशेष शिक्षक कहलाता है।

**विशेष शिक्षा के केन्द्र:-** भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त सम्पूर्ण भारत मे लगभग 500 केन्द्र स्थापित है राजस्थान मे राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर एवं जयनारायण विश्वविद्यालय जोधपुर के बाद अब महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त राजस्थान महिला कल्याण मण्डल चाचियावास अजमेर मे 30 सीट विशेष शिक्षा में बी.एड. के लिए निर्धारित की है। जिसका प्रवेश प्रक्रिया संस्था द्वारा प्रारम्भ कर दी गई है तथा अजमेर जिले एवं आस-पास के अभ्यार्थी जो स्नातक उत्तीर्ण है वे विशेष-शिक्षा मे बी.एड. का प्रशिक्षण अपने जिले में ही प्राप्त कर सकते है इससे पहले यह कोर्स करने जोधपुर, जयपुर इत्यादि शहरों में जा कर करना पड़ता था। संस्था द्वारा 1988 से विशेष शिक्षा क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है संस्था द्वारा मीनू मनोविकास मन्दिर चाचियावास, संजय इन्क्लूसिव स्कूल ब्यावर, उम्मीद डे केयर सेन्टर पुष्कर, मीनू शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र पंचशील अजमेर एवं समुदाय आधारित कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है जिसके माध्यम से 639 विशेष बच्चों को सेवाएं दी जा रही है साथ ही विशेष शिक्षा में डिप्लोमा इन एज्यूकेशन का संचालन भी संस्था द्वारा 2007 से नियमित किया जा रहा है।

**विशेष बी.एड. में प्रवेश कौन ले सकता है** - इस पाठ्यक्रम को करने के लिए कोई भी सामान्य अभ्यार्थी जो बी.ए., बी.कॉम या बी.एससी अथवा स्नातक डिग्रीधारी जो स्नातक मे 50 प्रतिशत अंक से पास है वह आवेदन कर सकता है।

**अवसर:-** नि:शक्त अधिनियम 1995 के अनुसार 18 वर्ष तक नि:शक्त जन को नि:शुल्क एव अनिवार्य शिक्षा दिये जाने का प्रावधान है।

शिक्षा का अधिकार 2009 के अनुसार प्रत्येक छात्र/छात्राओं को प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक द्वारा ही शिक्षा दी जानी है तथा राजस्थान सरकार द्वारा तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती मे विशेष शिक्षकों की भर्ती अलग से की जा रही है तथा वर्तमान में राजस्थान सरकार द्वारा सम्पूर्ण राजस्थान में 485 पद विशेष शिक्षा (द्वितीय श्रेणी) वरिष्ठ अध्यापक के निर्धारित कर 50 प्रतिशत पद आर.पी.एस.सी. से भर्ती करवाई जानी है। वर्तमान मे विशेष शिक्षा के क्षेत्र मे प्रशिक्षित अध्यापकों की कमी दूर हो सकेगी। राजस्थान सरकार द्वारा की जाने वाली शिक्षक भर्ती में विशेष-शिक्षक डिप्लोमा और डिग्रीधारीयों को शामिल किया जाता है। राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान में भी विशेष शिक्षकों की आवश्यकता है।

# पेंशन राशि बढ़ाने की मांग

दौसा। राजस्थान विकलांग मंच इकाई दोसा की बैठक जिलाध्यक्ष विरेन्द्रसिंह राजपूत सुधारनपाड़ा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पेंशन राशि एक हजार करने की मांग के साथ रसद विभाग से रसद सामग्री में वृद्धि करने, राजनीतिक पार्टियों में विकलांग प्रकोष्ठ बनाने, रोजगार की व्यवस्था करने, रिक्त पड़े पदों पर विशेष योग्यजनों को लगाने आदि मुद्दों पर चर्चा कर जिला प्रशासन को ज्ञापन देने का निर्णय लिया गया। बैठक में हरसाय सैनी, हरीशंकर गुर्जर आदि सदस्य मौजूद रहे।

# नवजीवन संस्थान का रजत जयंती समारोह आयोजित

जोधपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. अरुण चतुर्वेदी के मुख्य आतिथ्य में शाम रजत जयंती समारोह आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में ईश्वरीय प्रेरणा से मानवीयता के लिए समर्पित लोग हमेशा अग्रणी रहते हैं। हमारे राज्य में भगवानसिंह परिहार ऐसे व्यक्तित्व हैं जिन्होंने मौन साधना के रूप में ऐसे कर्म को साधना में व सांस्कृतिक क्षेत्र में भी प्रतिभाएं विकसित कर रहे हैं। जोधपुर मारवाड़ विशेष रूप से भामाशाहों की नगरी है। यहां वृद्धों, बच्चों, बालिकाओं और महिलाओं सभी के लिए सेवा के प्रकल्प स्थापित है। उन्होंने बताया कि आई.ए.एस. आरती डोगरा ने बीकानेर जिला कलेक्टर के रूप में निराश्रित बालिकाओं का जीवन संवारने में अहम भूमिका अदा की और हमेशा के लिए एक प्रेरणा भी दी। उन्होंने नगर निगम के महापौर घनश्याम ओझा की ओर से नव जीवन संस्थान को 25 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की।

समारोह में सांसद नारायण पंचारिया ने संस्था की गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने सांसद कोष से 15 लाख रुपए देने की घोषणा की। सांसद रामनारायण डूडी ने भी विचार व्यक्त किए तथा 15 लाख रुपए सांसद कोष से प्रदान करने की घोषणा की। वूल बोर्ड अध्यक्ष जसवंतसिंह विश्नोई एवं विधायक जोगाराम पटेल ने भी विचार व्यक्त किए। सांसद गजेन्द्रसिंह शेखावत ने कहा कि सेवा की प्रतिमूर्ति भगवानसिंह परिहार ने सेवा के नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। नवजीवन संस्थान ने बच्चों, बालिकाओं और वृद्धों को नवजीवन दिया है।

नगर निगम के महापौर घनश्याम ओझा ने कहा कि संस्थान के संस्कार समाज के लिए अनुकरणीय है। यहां के बच्चों को वार्षिक तौर पर राज्य से बाहर भ्रमण करवाना भी इसकी गतिविधि में शामिल है। भगवानसिंह परिहार ऐसे व्यक्तित्व है जिनसे समाज में संस्कारों का प्रसार होता है। समारोह अध्यक्ष पूर्व सांसद गजसिंह ने कहा कि नवजीवन संस्थान की अनूठी यात्रा व अनूठे व्यक्तित्व के रूप में भगवानसिंह परिहार ने समाज को संस्कारों के नए प्रतिमान दिए हैं।

आरंभ में संस्था प्रभारी भगवानसिंह परिहार ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि संस्थान से बच्चों को गोद लेने की प्रक्रिया अब ऑनलाइन कर दी गई है। इस अवसर पर महात्मा फूले क्रांति ज्योति संस्थान द्वारा भगवानसिंह परिहार का रजत जयंती अवसर पर 25 किलो माला से अभिनंदन किया गया। इस मौके मेजर एस आर असारसा प्रथम शिशु गोद लेने वाले पिता के रूप में उद्गार व्यक्त किए।

नई दिल्ली। अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर दिल्ली सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में मंगोलपुरी सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के अध्यक्ष रामनारायण अग्रवाल को सम्मानित करते दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और समाज कल्याण मंत्री संदीप कुमार।

# मेवाड़ सम्मान के आवेदन मांगे

उदयपुर। राजस्थान में महाराणा मेवाड चेरिटेबल फाउंडेशन उदयपुर द्वारा देश विदेश में समाज सेवा, विज्ञान, कला सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं। फाउण्डेशन के अलंकरण समारोह के संयोजक डा.मयंक गुप्ता ने बताया कि अगले वर्ष छह मार्च को आयोजित होने वाले 34वें अलंकरण सम्मान समारोह के लिए प्रविष्टियां आगामी 30 नवम्बर तक आमंत्रित की गई हैं। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन द्वारा अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर दिया जाने वाला कर्नल जेम्स टॉड सम्मान मेवाड तथा राजस्थान में मानवता की सार्वभौम सेवा को समर्पित विश्व बंधुत्व की आस्था संपन्न विदेशी मनीषा को दिया जाता हैं।

उन्होंने बताया कि फाउण्डेशन द्वारा दिया जाने वाला हल्दीघाटी अलंकरण राष्ट्रीय स्तर का है, जो पत्रकारिता के माध्यम से समाज की स्थाई मूल्य की सेवा के लिए प्रदान किया जाता हैं। राष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले हकीम खां सूर अलंकरण कौमी एकता, राष्ट्रीय अखण्डता, देश प्रेम एवं साम्प्रदायिक सद्भाव की स्थायी सेवा हेतु प्रदान किया जाता हैं महाराणा उदयसिंह सम्मान के तहत राष्ट्रीय स्तर पर मानव कल्याण के लिये पर्यावरण समृद्धि एवं शाश्वत निर्माण में समर्पित कर्मनिष्ठा को दिया जाता हैं।

# राव इंद्रजीत पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष बने

नयी दिल्ली। भाजपा सांसद राव इंद्रजीत सिंह को निर्विरोध रूप से भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) का नया अध्यक्ष चुन लिया गया है। राष्ट्रीय पैरालंपिक खेलों की आयोजन समिति के प्रमुख कवीन्द्र चौधरी को पीसीआई का उपाध्यक्ष चुना गया है। हाल ही में चौधरी पर भारतीय पैरालंपिक खिलाड़ियों को बहुत खराब परिस्थितियों में रखने के आरोप लगे थे। शिवाजी कुमार को समिति का संयुक्त सचिव नियुक्त किया है। चौधरी के अलावा गुरशरण सिंह और एसपी सांगवान को भी पीसीआई का उपाध्यक्ष चुना गया है। जे. चंद्रशेखर को महासचिव और दिनेश उपाध्याय को समिति का कोषाध्यक्ष चुना गया है। इस वर्ष अप्रैल माह में पीसीआई के तत्कालीन अध्यक्ष राजेश तोमर को गाजियाबाद में आयोजित राष्ट्रीय पैरालंपिक चैंपियनशिप के दौरान खिलाड़ियों को पीने के पानी और शौचालय जैसी सुविधायें भी मुहैया नहीं कराने के आरोपों के बाद उनके पद से निलंबित कर दिया गया था और पीसीआई को अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति ने उसकी मान्यता भी रद्द कर दी थी।

# वरिष्ठ नागरिकों के लिए डे केयर सेंटर ओजोन का उद्घाटन

जयपुर। मारू चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक रूप चंद के 92वें जन्म दिवस के अवसर पर जैन समाज के वरिष्ठ नागरिकों के लिए डे केयर सेंटर ओजोन व का उद्घाटन व वेबसाइट का लोकार्पण वसुन्धरा कॉलोनी के प्लॉट नं-117 पर समाचार जगत के संस्थापक संपादक राजेन्द्र के.गोधा ने किया। कार्यक्रम संयोजक राकेश गोदिका के इस मौके पर मुख्य अतिथि धर्मश्रेष्ठी व मंत्री श्री महावीर जी कमेटी महेन्द्र कुमार पाटनी ,विशिष्ट अतिथि धर्मश्रेष्ठी व शहर भाजपा अध्यक्ष संजय जैन थे। उन्होने बताया कि सेंटर में कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट सिखाने की व्यवस्था, योगा व प्राणायाम मेडिटेशन प्रार्थना भजन व पुस्तकालय, गेम्स आदि की विशेष व्यवस्था की गई है, साथ ही वित्तीय मैनेजमेंट व कानूनी सलाह भी दी जाएगी। इसके अलावा त्यौहार जन्मदिन व वैवाहिक वर्षगांठ मनाने की गतिविधियां संचालित की जाएगी। इस मौके पर ट्रस्ट के आर .के जैन, एन. के जैन, एम के जैन, जे के जैन, सुरेन्द्र पाटनी, महेश काला, अशोक जैन लांगडियावास, महावीर कासलीवाल, डॉ.पी.सी जैन व राजेश बडजात्या सहित अन्य लोग मौजूद थे।

दुनिया के सबसे मुश्किल कामों में एक है,....... "समझदारों को समझाना" !!


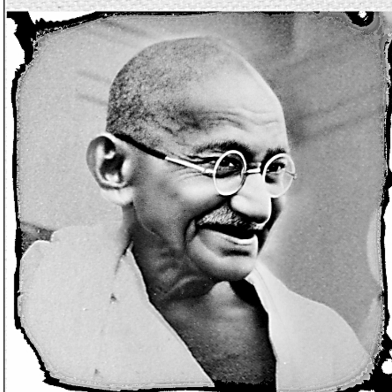

सत्यमेव जयते

गाँधी जयंती की शुभकामनाएं

2 अक्टूबर 2015

भारत का भविष्य गांवों में बसता है... गांवों के विकास से ही देश का विकास सम्भव है

- महात्मा गाँधी

राजस्थान संवाद

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

रिसर्जेंट राजस्थान

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान सरकार

राजस्थान की 'जोगी' लोक कला | कलाकारः सोनी जोगी

**राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित करते हुए। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, थावर चन्द गहलोत, सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री, कृष्ण पाल और विजय सांपला तथा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की सचिव, सुश्री अनीता अग्निहोत्री भी उपस्थित थे।**

# राष्ट्रपति ने वयोश्रेष्ठ सम्मान प्रदान किए

दिल्ली। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों को वयोश्रेष्ठ सम्मान -2015 प्रदान किए। समाज में बुजुर्गों के योगदान को चिह्नांकित करते हुए प्रणब मुखर्जी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस बुजुर्गों से जुड़े विषयों पर नवीन सिरे से ध्यान देने का अवसर है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज के अलग-अलग हिस्सों को बुजुर्गों की चुनौतियों के प्रति अवगत कर संवेदनशील बनाने की जरूरत है।

सामाजिक और आर्थिक स्तरों पर वृद्धों की देखरेख पर जोर देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि बुजुर्गों की देखरेख और सम्मान करने की भारतीय परम्परा पीढ़ी दर पीढ़ी चलती आई है। हमें अपनी संस्कृति की इस सामाजिक और सांस्कृतिक संपत्ति को नष्ट नहीं होने देना चाहिए। जरूरतमंद वृद्धों की संस्थागत देखभाल की सुविधाएं पर्याप्त संख्या में स्थापित की जानी चाहिए। बदलते सामाजिक और आर्थिक परिदृष्य की पृष्ठभूमि में कानूनों की फलोत्पादकता और परिणामिता का मूल्यांकन होना चाहिए।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारित मंत्री थावर चंद गहलोत ने कहा कि सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए कई प्रकार की पहल की हैं। इसके लिए नीतियां और कार्यक्रम बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पुरस्कारों का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों का समाज में विधिसम्मत स्थान पक्का करने के उद्देश्य से सरकार की वचनबद्धता और सरोकार को प्रदर्शित करना है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय सम्मान- वयोश्रेष्ठ सम्मान, श्रेष्ठ वरिष्ठ नागरिकों और संस्थाओं को वयोवृद्धों के प्रति उनके कल्याणकारी योगदान को मान्यता देने के लिए प्रति वर्ष प्रदान किए जाते हैं।

# मूक बधिर बच्चों ने बनाए सुंदर चित्र

जोधपुर। करूणा इंटरनेशनल केन्द्र के तत्वावधान में मूक बधिर बच्चों के लिए नेत्रहीन विकास संस्थान में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 40 मूक बधिर बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान मूक बधिर बच्चों ने शाकाहार, प्रकृति चित्रण, पर्यावरण संरक्षण से संबंधित सुंदर चित्र तुलिका से उकेरे।

# जगदीश लोहार राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित

जोधपुर। केन्द्रीय विद्यालय वायुसेना सं. एक में कार्यरत जगदीश लोहार को उनकी रचनात्मक शैक्षिक गतिविधियों एव विकलांग कल्याण व साहसिक कार्यो के लिए नई दिल्ली में आयोजित शिक्षक दिवस सम्मान समारोह में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार के तहत प्रशस्ति पत्र, रजत पदक एवं पचास हजार रूपये की राशि प्रदान की गई।

आवश्यकता

## कम्प्यूटर टीचर चाहिए

लुई ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान, जयपुर को अपने प्रशिक्षण केन्द्र के लिए अनुभवी कम्प्यूटर टीचर चाहिए।

**दृष्टिहीन अभ्यर्थी को प्राथमिकता।**

**सम्पर्क करें:**

**ओमप्रकाश अग्रवाल, सचिव मोबाइल नं. 093145 61988**


# विशेष विद्यार्थियों ने किया एनसीसी मुख्यालय का भ्रमण

जयपुर। राजकीय सेठ आनन्दी लाल पोद्दार मूक-बधिर संस्थान, जयपुर के मूक बधिर विद्यार्थियों ने जयपुर के रामबाग स्थित एन.सी.सी. मुख्यालय का भ्रमण किया। राजकीय सेठ आनन्दी लाल पोद्दार मूक-बधिर संस्थान, जयपुर के शाला-प्रभारी योगेन्द्र सिंह नरूका भी इस अवसर पर उनके साथ थे।

शाला प्रभारी योगेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि एन.सी.सी. मुख्यालय में मूक-बधिर विद्यार्थियों ने एन.सी.सी. अधिकारी ऋतुराज सिंह नरूका से शिष्टाचार मुलाकात की तथा वहां एन.सी.सी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे केडे्ड्स की परेड देखी व राईफल चलाने का तरीका भी सीखा।

इस अवसर पर मूक-बधिर विद्यार्थियों ने भी एन.सी.सी. में शामिल होने की इच्छा एन.सी.सी. आधिकारियों के समक्ष जताई।

# विशेष योग्यजनों ने धरना दिया

बाड़मेर। विशेष योग्यजनों के लिए बजट उपलब्ध होने के उपरांत अंग उपकरण सहायता शिविर आयोजित नहीं करने, पालनहार राशि का समय पर भुगतान नहीं करने तथा विशेष योग्यजनों से उपेक्षापूर्ण व्यवहार करने पर विकलांग शिक्षा एवं कल्याण संस्थान बाड़मेर के सचिव कलाराम विश्नोई के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक संजय सांवलानी के विरूद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पर धरना दिया गया। संस्थान के संरक्षक नरसिंगाराम जीनगर ने बताया कि कलैक्टर बाड़मेर द्वारा सुनवाई नहीं करने पर 15 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने जयपुर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक को ज्ञापन प्रस्तुत कर कार्रवाई की मांग की जिस पर निदेशक ने जांच कराने का आश्वासन दिया।


## 35 वर्षों से दृष्टि बाधितों की सेवा में

## सतत प्रयत्नशील

## लुई-ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान

एच-32, बढ़ारणा, टेलीकॉम ट्रेनिंग सेन्टर के पीछे, वाया रोड नं. 14, वी.के.आई., जयपुर-302013

दूरभाष: 0141- 4023328.

**:प्रवृत्तियां:**

- ब्लाइंड रिलीफ सेंटर
- आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र
- कम्प्यूटर प्रशिक्षण एकांश
- ब्रेल लायब्रेरी